The House reassembled after lunch at thirty-two minutes past two of the clock. The Vice-Chairman (Shri B. Satyanarayan Reddy) in the Chair.

SUPPLEMENTARY DEMANDS FOR GRANTS (PUNJAB) 1988-89

THE MINISTER OP STATE IN THE DEPARTMENT OF EXPENDITURE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI B. K. GADHVI): Sir. I beg to lay on the Table **a** statement (in English and Hindi) showing the Supplementary Demands for Grants for Expenditure of the Government of Punjab for the year 1988-89 (November-December, 1988).

SPECIAL .MENTIONS

"Yaj " Disease Affecting Tribals of Bastar District of Madhya Pradesh

श्री अजीत जोगी (मध्य प्रदेश) : महोदय बस्तर जिला न केवल मध्य प्रदेश का बल्कि पूरे भारतवर्ष का सबसे पिछड़ा हुआ जिला है । यहां अधिकांश आदिवासी ही निवास करते हैं । मैं आज इस सदन के माध्यम से इस जिले के आदिवासियों के स्वास्थ्य के संबंध में जो एक विशेष समस्या खड़ी हो गई है उस ओर ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं । वैसे ही बस्तर जिले के आदिवासियों की गरीबी और मुफिलिसी किसी से छिपी हुई नहीं है और उनको जो चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हैं वे भी प्राथमिक स्तर की भी बिल्कुल नहीं हैं । अभी हाल ही में एक सनसनीखेज तथ्य सामने आया है कि बस्तर जिले में "याज" नामक एक रोग, जिसके बारे में ऐसा कहा जाता है कि अब विश्व में अफ्रीका को छोड़कर कहीं नहीं है, वह रोग बस्तर जिले के आदिवासियों में बहुत जोरों से फैल रहा है । विश्व स्वास्थ्य संगठन ने तो अपनी रिपोर्ट में यह कहा था कि वर्ष 50 के पहले ही पूरे विश्व से अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका को छोड़कर अन्य भागों से यह रोग समाप्त हो गया है । किन्तु अभी यहां के कुछ नये और युवा चिकित्सकों ने यह तथ्य उजागर किया कि "याज" नामक रोग से बस्तर के आदिवासी ग्रसित हैं । यह रोग बड़ा ही वीभत्स होता है, डरावना होता है और मैंने स्वत: जाकर पिछले दिनों बस्तर में "याज" से ग्रसित कुछ रोगियों को देखा । जैसे कुष्ठ रोगी होते हैं उससे भी खराब हालत "याज" नामक रोग से ग्रसित रोगियों की होती है । दुख इस बात का है कि पहले तो केन्द्र शासन और पूरा चिकित्सा विभाग यही कहता रहा है कि यह तथ्य बिल्कुल गलत है कि "याज" नामक रोग फिर से भारतवर्ष में में आ गया है और बस्तर के आदिवासी इससे ग्रसित हैं, पर जब वहां के कुछ-चिकित्सकों ने, वहां के एक युवा सहायक चिकित्सक और मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने जब इस रिपोर्ट को बार बार शासन को भेजा तो अब कम से कम इस बात को स्वीकार किया जाने लगा है कि "याज" नामक रोग बस्तर के आदिवासियों में फैल रहा हैं । तो मैं आज सदन के माध्यम से इस ओर केन्द्र शासन के स्वास्थ्य मंत्रालय का ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा और यह कहना चाहूंगा कि यह एक बड़ी गम्भीर परिस्थिति हैं । केन्द्र सरकार को एक विशेष दल गठित करके अध्ययन के लिए बस्तर जिले में भेजना चाहिए । क्योंकि यह एक ऐसा रोग है, जिसके बारे में स्थानीय डाक्टरों को कोई जानकारी नहीं है, कोई अनुभव नहीं है, जिसका कोई निदान नहीं है और यह एक ऐसा रोग है, जिससे ग्रसित हो जाने के बाद आदिवासी की हालत ऐसी हो जाती है कि उसका अंग भंग हो जाता है, अंग गलने लगते हैं, शरीर मुड़ जाता है और ऐसी अपार तकलीफ उसको होती है, जिसका निराकरण किया जाना स्थानीय डाक्टरों, स्थानीय चिकित्सकों और स्थानीय दवाई के माध्यम से सम्भव नहीं है ।

मेरा अनुरोध है कि इसकी ओर गम्भीरता से ध्यान दिया जाना चाहिए, तत्काल कोई विशेष दल गठित किया जाना चाहिए, तत्काल उसका अध्ययन किया जाना चाहिए और जो कुछ साहित्य, जो कुछ दवाइयां और अनुभव इस दिशा में उपलब्ध है, उसका उपयोग करके इस रोग का निदान किया जाना चाहिए । धन्यवाद ।

SHRIMATI VEENA VERMA (Madhya Pradesh); I associate.

SHRI NARESH C. PUGLIA; (Maharashtra): I associate.

SHRI RAJUBHAI A. PARMAR (Gujarat): I associate.

Killing of Harijans in Fake Encounters by Police in Bihar

श्री चतुरानन मिश्र (बिहार) : उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस विशेष उल्लेख के जरिए बिहार में लगातार हो रही हरिजन हत्याओं के बारे में सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। आप जानते ही हैं कि हरिजन हत्या के मामले में बिहार सरकार देश में बदनाम हो चुकी है और बिहार निवासी भी अपने को कलंकित महसूस कर रहे हैं कि इस तरह की घटनायें लगातार घट रही हैं। लेकिन मैं एक बात कहना चाहता हूं, जो शायद यह सदन नहीं जानता होगा कि बिहार की पुलिस खानगी सेना के लोगों को कहती है कि वह हत्या करे। वह नक्सलाईट के नाम पर उन लोगों का दमन करे और इसलिए रवानगी सेना को हत्या करने में तरजीह देती है। वहां के जो डाइरेक्टर-जनरल आफ पुलिस थे, उन्होंने इस बात के बारे में कुछ ही दिन पहले कहा कि वहां पुलिस वाले जमींदारों को या उनकी खानगी सेनाओं को हत्या करने के सिलसिले में बढ़ावा देती थी। अभी हाल में एक घटना घटी और वह यह है कि बिहार सरकार ने सिद्धार्थ आपरेशन शुरू किया है। उसके जरिए फेक एनकाउंटर के नाम पर काफी लोगों की हत्या की जा रही है। एक तो सिद्धार्थ का नाम आप जानते है कि गौतम बुद्ध से जुड़ा हुआ है, उनके नाम पर फेक एनकाउंटर हो, यह अत्यंत ही लज्जापूर्ण बात है। कोई गांधी जी के नाम पर हत्याकांड शुरू करे और गांधी जी का नाम उसमें रखे, तो वह अत्यंत ही लज्जापूर्ण बात होगी। करफी ब्लाक के नगरा पंचायत में छठी मेला के अवसर पर वहां के ठेकेदार के कहने पर सुबह चार बजे पुलिस ने हमला किया और तीन लोगों को गोली से मार दिया और बहुतेरे लोगों को वहां गिरफ्तार कर लिया। इसलिए बिहार में बड़े पैमाने पर ह्यूमन राईटस का वायलेशन हो रहा है और अभी एमनेस्टी इंटरनेशनल ने भी एक रिपोर्ट छापी है जिससे हमारा दे कलंकित होगा। सारी बातें विदेशों में जा रही हैं। इसलिए जरूरी है कि इस संबंध में अविलम्ब कार्यवाही की जाए।

इस संबंध में मैं यह भी कहना चाहूंगा कि आई० पी० एस० के लोग है, वह भी खुलेआम पर्चा निकाल कर हत्या करते हैं और कहते हैं कि हम और भी हत्या करेंगे। अभी मैं डमराव गया था। वहां पर दीपावली के दिन कम्युनिस्ट पार्टी एक हरिजन नेता कपिलेश राम की हत्या आई० पी० एस० के लोगों ने कर दी और जब हम लोगों ने उनसे पूछा, तो पहले तो वह इन्कार करते रहे। बाद में भोजपुर जिला कमेटी, कम्युनिस्ट पार्टी एम० एल० लिबरेशन की तरफ से एक पर्चा निकाला गया, जिसमें कहा गया कि हां वह जुआ खेलते थे, इसीलिए हमने उनकी हत्या कर दी तथा और भी लोगों की हम हत्या करेंगे अगर कम्युनिस्ट लोग हमारी बातों को नहीं मानेंगे

ऐसी भयानक स्थिति हो गई है और यह स्थिति और भी खराब हुई जब हमारे गृह मंत्री वहां गए और उन्होंने कहा कि हम और भी पुलिस भेज देंगे, और सख्ती से कार्यवाही की जाए।

वहां जरूरत है कि लैंड रिफार्म्स और दूसरे तरीके से, जो वहां हरिजनों पर अत्याचार हो रहा है उसको सुधारा जाए। उधर सरकार का ध्यान नहीं जा रहा है।

तो मैं गृह मंत्री जी से अनुरोध करूंगा कि बिहार में अविलम्ब सभी पार्टियों की बैठक बुला कर इस तरह की हत्याओं को रोकने का कोई रास्ता निकालें, जिससे हम लोग इस कलंक